



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 52]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 18, 2002/फाल्गुन 27, 1923

No. 52]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 18, 2002/PHALGUNA 27, 1923

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2002

सं. टीएएमपी/115/2001-एनएमपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार बॉल क्ले/सैंड/किसी भी श्रेणी के क्ले के लिए घाटशुल्क प्रभार निर्धारित करने हेतु न्यू मेंगलूर पत्तन न्यास के प्रस्ताव का अनुमोदन करता है।

अनुसूची

मामला सं. टीएएमपी/115/2001-एनएमपीटी

न्यू मेंगलूर पत्तन न्यास (एनएमपीटी)

----- आवेदक

आदेश

(मार्च, 2002 के 11वें दिन पारित)

यह मामला बॉल क्ले/सैंड/किसी भी श्रेणी के क्ले के लिए घाटशुल्क प्रभार निर्धारित करने हेतु न्यू मेंगलूर पत्तन न्यास (एनएमपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव से संबंधित है।

2. एनएमपीटी ने अपने प्रस्ताव में निम्नलिखित बातें कही हैं :—

- (i) एनएमपीटी वर्ष 1999 से क्ले का प्रहस्तन कर रहा है। प्रभावी दरों के माज में विशेष घाटशुल्क दर के अभाव के कारण क्ले को अलाभकारी बल्क मद के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया था; और, 65/- रुपए प्रति एमटी घाटशुल्क प्रभार वसूल किया जा रहा था।
- (ii) इस कार्गो के नियमित आयातक मै. मुरुदेश्वर सिरेमिक्स लिमिटेड ने इस आधार पर क्ले के घाटशुल्क प्रभारों में उचित छूट की मांग की है कि क्ले कम कीमत का कार्गो है; और, 65/- रुपए प्रति एमटी घाटशुल्क अधिक प्रतीत होता है। यह भी उल्लेख किया गया है कि मुम्बई पत्तन न्यास में इसी कार्गो का घाटशुल्क 24/- रुपए प्रति एमटी है।

- (iii) एनएमपीटी के न्यासी बोर्ड ने सितंबर, 2000 को हुई अपनी बैठक में कले की घाटशुल्क दर में छूट के प्रस्ताव पर विचार किया और महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण द्वारा दर में कमी का अनुमोदन किए जाने तक मामला-दर-मामला आधार पर बॉल कले/सैंड/किसी भी श्रेणी के कले की भविष्य में होने वाले पोत लदान के लिए 65/- रुपए प्रति एमटी घाटशुल्क प्रभार पर 65% छूट देने के निर्णय लिया। बोर्ड ने कले के लिए 20/-रुपए प्रति एमटी घाटशुल्क दर की सिफारिश करने का प्रस्ताव भी पारित किया।
- (iv) एनएमपीटी की दरों के मान में पिछले सामान्य संशोधन (19 सितम्बर, 2001 को अधिसूचित) में कले के लिए घाटशुल्क चूकवश शामिल नहीं किया जा सका था।

3.1 निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, एनएमपीटी का प्रस्ताव कैनरा चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, मै. मुरुदेश्वर सिरेमिक्स लिमिटेड और मंगलूर कस्टम हाउस एजेंट्स एसोसिएशन को टिप्पणियों के लिए भेजा गया था। उनसे प्राप्त टिप्पणियों का सार निम्नलिखित है :—

मंगलूर कस्टम हाउस एजेंट्स एसोसिएशन

न्यू मंगलूर पत्तन न्यास द्वारा भेजा गया प्रस्ताव पोत परिवहन व्यापार को प्रोत्साहन देने वाला है। इसलिए प्राधिकरण को 20/- रुपए प्रति एमटी घाटशुल्क प्रभार निर्धारित करने के लिए एनएमपीटी की सिफारिश पर विचार करना चाहिए।

कैनरा चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

- (i) इस कार्गो को पहले वर्गीकृत नहीं किया गया है; बन्दोनाइट पर 20/- रुपए प्रति टन प्रभार वसूल किया जा रहा है और बॉल कले/सैंड/किसी भी श्रेणी के कले चूंकि इसी श्रेणी के हैं, इसलिए इन पर भी 20/- रुपए प्रति टन प्रभार वसूल किए गए।
- (ii) मुम्बई पत्तन 24/- रुपए प्रति टन प्रभार वसूल कर रहा है।
- (iii) यह कम मूल्य वाला कार्गो है और घाटशुल्क में कमी से लघु उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।
- (iv) पत्तन पर अधिक कार्गो आने से आरसीएच पर वसूली में कमी आएगी।

मै. मुरुदेश्वर सिरेमिक्स लिमिटेड

- (i) यह नियमित रूप से आयात कर रहा है; और, एनएमपीटी में इसकी निकासी कर रहा है। एनएमपीटी से निष्कासित पोरषणों के मामले में घाटशुल्क प्रभार अन्य पत्तनों की तुलना में बहुत अधिक वसूल किए गए थे।
- (ii) इसने घाटशुल्क प्रभार 65/- रुपए प्रति टन से कम करके 20/- रुपए प्रति टन करने के लिए एनएमपीटी को अभ्यावेदन भेजा था।
- (iii) बॉल कले/सैंड/किसी भी श्रेणी के कले के लिए घाटशुल्क दर 20/-रुपए प्रति एमटी निर्धारित करने के लिए एनएमपीटी के वर्तमान प्रस्ताव पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाए।

3.2. उपर्युक्त पत्तन प्रयोक्ताओं/पत्तन प्रयोक्ताओं की प्रतिनिधि संस्थाओं से प्राप्त टिप्पणियों की प्रति प्रतिपुष्टि सूचना के रूप में एनएमपीटी को भेजी गई थी।

4. चूंकि, मुख्य आयातक मै. मुरुदेश्वर सिरेमिक्स लिमिटेड ने और इस मामले से संबंधित जिन-जिन पक्षों से विचार-विमर्श किया उन सभी ने कले के लिए घाटशुल्क कम करने के लिए एनएमपीटी के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है, इसलिए, इस मामले में संयुक्त सुनवाई आवश्यक नहीं समझी गई।

5. इस मामले की कार्यवाही के दौरान एकत्र की गई समग्र सूचना के संदर्भ में निम्नलिखित स्थिति प्रकट होती है :—

- (i) अवशिष्ट श्रेणी के अधीन घाटशुल्क की वसूली को उस कार्गो पर प्रभारों की वसूली के लिए दरों के मान में उपबंध के रूप में देखा जाए जिनके लिए पत्तन के माध्यम से यातायात और/अथवा अवशिष्ट मात्रा की अनियमितता के कारण विशेष दरें निर्धारित नहीं की जा सकती। जब पोत लदान नियमित आधार पर शुरू हो जाएगा तो पुनर्वर्गीकरण कर ऐसे कार्गो के लिए विशेष घाटशुल्क दर उचित रहेगी।
- (ii) जैसा कि एनएमपीटी ने स्वीकार किया है, एनएमपीटी की दरों के मान में पिछले सामान्य संशोधन (सितम्बर, 2001) के साथ इस मामले पर विचार नहीं किया जा सका था, क्योंकि पत्तन ने सामान्य संशोधन के अपने प्रस्ताव के संबंध में सितम्बर, 2000 में अपने न्यासी बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णय को शामिल नहीं किया था। यह प्रस्ताव फरवरी, 2001 में प्रस्तुत किया गया था। आश्चर्य है कि उन पत्तन प्रयोक्ताओं ने भी एनएमपीटी के प्रस्ताव में कमी की ओर ध्यान आकृष्ट नहीं किया था जिनसे उस मामले से संबंधित कार्यवाही के हिस्से के रूप में विचार-विमर्श किया गया था।
- (iii) एनएमपीटी के न्यासी बोर्ड ने सितंबर, 2000 से कले के लिए घाटशुल्क प्रभारों में छूट देने का निर्णय लिया है। यह कार्रवाई दरों के मान में स्थायी परिवर्तन करने के समान है, जोकि महापत्तन न्यास अधिनियम में परिकल्पित प्रशुल्क निर्धारण व्यवस्था के अनुसार नहीं है।

सरकार कई बार पत्तन न्यासों को निदेश दे चुकी है कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा दरों के मान में गलत परिवर्तन करने के लिए अधिनियम की धारा 53 के अधीन शक्तियों का प्रयोग न करें। हम पहले ही इससे संबंधित कुछ अन्य मामलों में एनएमपीटी द्वारा की गई ऐसी कार्रवाईयों के संबंध में टिप्पणी कर चुके हैं। हम पुनः दोहराते हैं कि साविधि में परिकल्पित सही प्रशुल्क निर्धारण व्यवस्था को अपनाया जाए और एनएमपीटी को एक बार दुबारा सलाह दी जाती है कि इस प्राधिकरण द्वारा निर्धारित दरों के मान में संशोधन करने के लिए महापत्तन न्यास अधिनियम की धारा 53 के अधीन उपबंधों को लागू करने से बचें।

- (iv) चूंकि क्ले के लिए घाटशुल्क दर 65/- रुपए प्रति एमटी से 20/- रुपए प्रति एमटी करने के एनएमपीटी के प्रस्ताव का कार्गो के मुख्य आयातक मै. मुरुदेश्वर सिरेमिक्स लिमिटेड सहित सभी संबंधित प्रयोक्ता संगठनों ने समर्थन किया है, इसलिए यह प्राधिकरण इस प्रस्ताव का अनुमोदन करता है।
- (v) एनएमपीटी की दरों के मान में पिछले सामान्य संशोधन के समय यह पता चला था कि कार्गो-प्रहस्तन गतिविधि राजस्व अधिशेष दिखा रही थी। ऐसी स्थिति में, घाटशुल्क प्रभार में प्रस्तावित छूट से पत्तन की वित्तीय स्थिति पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। हर स्थिति में, कम किया गया घाटशुल्क प्रभार सितंबर, 2000 से प्रचलन में है; और पिछले सामान्य संशोधन के समय एनएमपीटी द्वारा दिए गए वित्तीय अनुमानों पर वर्ष 2001-02 और 2002-03 के राजस्व पूर्वानुमानों की गणना के लिए इस कार्गो पर कम किए गए घाटशुल्क प्रभारों पर उपयुक्त ढंग से विचार किया जाएगा।
- (vi) घाटशुल्क अनुसूची में मदों की वर्तमान सूची में नई मद जोड़ते हुए क्ले के लिए अलग से घाटशुल्क दर निर्धारित करने की बजाय बॉल क्ले/सैंड/क्ले की किसी श्रेणी को घाटशुल्क अनुसूची में बेन्टोनेट के साथ जोड़ना उचित होगा, क्योंकि दोनों वस्तुओं की घाटशुल्क दरें एक समान हैं। इस तथ्य के बावजूद कि क्ले 'अयस्क और खनिज' ग्रुप के अंतर्गत नहीं आता है, ऐसा घाटशुल्क अनुसूची के सरलीकरण के लिए किया गया है। एनएमपीटी को सलाह दी जाती है कि अगले सामान्य संशोधन के समय अपनी दरों के मान में घाटशुल्क अनुसूची को युक्तिसंगत बनाए।

6.1. परिणामस्वरूप, उपर्युक्त तर्कों और समग्र विचार-विमर्श के आधार पर यह प्राधिकरण बॉल क्ले/सैंड किसी भी श्रेणी के क्ले के लिए 20/- रुपए प्रति एमटी घाटशुल्क प्रभार का अनुमोदन करता है। एनएमपीटी की दरों के मान में अध्याय-III ख बल्क कार्गो के घाटशुल्क प्रभारों की अनुसूची में वर्तमान मद सं. 8(घ) को हटाकर उसके स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाता है :—

क्र. सं.	बल्क कार्गो	इकाई	घाटशुल्क दर (रुपयों में)
8(घ)	बेन्टोनेट और बॉल क्ले/सैंड/किसी भी श्रेणी का क्ले	मी.ट.	20.00

6.2. एनएमपीटी से अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी दरों के मान में तदनुसार संशोधन करे।

एस. सत्यम, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/143/असाधारण/2001]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th March, 2002

No. TAMP/115/2001-NMPT.—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports approves the proposal of the New Mangalore Port Trust for fixation of wharfage charges for Ball Clay/Sand/Clay of any class as in the Order appended hereto.

SCHEDULE

Case No. TAMP/115/2001-MBPT

The New Mangalore Port Trust (NMPT)

- - -

Applicant

ORDER

(Passed on this 11 day of March 2002.)

This case relates to a proposal received from the New Mangalore Port Trust (NMPT) for fixation of wharfage charges for Ball Clay/Sand/Clay of any class.

2. The NMPT has made the following points in its proposal:

- (i). The NMPT is handling clay since 1999. In the absence of a specific wharfage rate in the Scale of Rates in force, Clay was classified under unremunerated Bulk item; and, a wharfage charge of Rs. 65/- per MT was being collected.
- (ii). M/s. Murudeshwar Ceramics Limited, regular Importers of this cargo, have sought a reasonable reduction in the wharfage charges for Clay on the ground that Clay is a low valued cargo; and, wharfage of Rs. 65/- per MT appears to be high. It has also stated that the wharfage for the same cargo is Rs. 24/- per MT at the Mumbai Port Trust.
- (iii). The Board of Trustees of the NMPT considered the proposal for reduction of wharfage rate for Clay in its meeting held in September 2000 and decided to give a 65% remission over the wharfage charge of Rs. 65/- per MT for future shipments of Ball Clay/Sand/Clay of any class on a case-to-case basis till a reduction in the rate is approved by the TAMP. The Board has also resolved to recommend a wharfage rate of Rs. 20/- per MT for Clay.
- (iv). In the last general revision of Scale of Rates of NMPT (notified on 19 September 2001) the wharfage for Clay could not be included due to oversight.

3.1. In accordance with the procedure prescribed, the proposal of the NMPT was sent to the Kanara Chamber of Commerce and Industry, M/s. Murudeshwar Ceramics Limited and the Mangalore Custom House Agents Association for comments. The comments received from them are summarised below:

Mangalore Custom House Agents Association

The proposal sent by the New Mangalore Port Trust is quite encouraging to the Trade. The Authority may, therefore, consider the recommendation of the NMPT to fix wharfage charges at Rs. 20/- per MT.

Kanara Chamber of Commerce and Industry

- (i). This cargo had not been classified earlier; Bentonite is being charged Rs. 20/- per tonne and as Ball Clay / Sand/Clay of any class are in the same category these shall also be charged Rs. 20/- per tonne.
- (ii). Mumbai Port is charging Rs. 24/- per tonne.
- (iii). It is a low value cargo and reduction of wharfage will encourage local small-scale industry.
- (iv). With more cargo coming to the Port, the levy on the RCH will come down.

M/s. Murudeshwar Ceramics Limited

- (i). It is regularly importing Clay; and, clearing the same at the NMPT. Wharfage charged was at very high rates as compared to other Ports in respect of consignments cleared from the NMPT.
- (ii). It had made a representation to the NMPT earlier to reduce the wharfage charge from Rs. 65/- per tonne to Rs. 20/- per tonne.
- (iii). The instant proposal of the NMPT to fix the wharfage rate for Ball Clay / Sand / Clay of any class at Rs. 20/- per MT may be considered favorably.

3.2. A copy each of the comments received from the above port users / representative bodies of port users was sent to the NMPT as feedback information.

4. Since all the parties consulted in this case including the main importers M/s. Murudeshwar Ceramics Limited have agreed with the proposal of the NMPT to reduce the wharfage for the Clay, a joint hearing has not been considered necessary in this case.

5. With reference to the totality of the information collected during the process of this case, the following position emerges:

- (i). Levy of wharfage under residual category is to be seen as a provision in the Scale of Rates to realise charges on cargo for which specific rates are not prescribed due to irregular nature of traffic through the port and / or of insignificant volume. When shipments start taking place on a regular basis, it will be appropriate to have a specific wharfage rate for such cargo by reclassification.
- (ii). As admitted by the NMPT, this case could not be considered alongwith the last general revision of the Scale of Rates of the NMPT (September 2001), as the port did not include the decision taken by its Board of Trustees in September 2000 in its proposal for general revision which was submitted in February 2001. Strangely, the port users, who were consulted as a part of the proceedings relating to that case, also did not point out the omission in the NMPT proposal.
- (iii). The Board of Trustees of the NMPT has decided to allow remission in wharfage charges for clay since September 2000. This action tantamounts to causing a permanent change in the Scale of Rates which is not in line with the tariff setting arrangement envisaged in the MPT Act. The Government had in fact directed all the port trusts, on more than one occasion, not to exercise the powers under Section 53 of the Act to tinker with the Scale of Rates prescribed by the competent authority. We have already commented about such actions taken in the past by the NMPT in some other cases related to it. We reiterate the correct tariff setting arrangement envisaged in the Statute and once again advise the NMPT to refrain from applying the provisions under Section 53 of the MPT Act to alter its Scale of Rates prescribed by this Authority.
- (iv). Since the proposal of the NMPT for a reduction in wharfage rate for clay from Rs. 65/- PMT to Rs. 20/- PMT has been endorsed by all the concerned user organisations including the main importer of the cargo, M/s. Murudeshwar Ceramics Limited, this Authority is inclined to approve the proposal.
- (v). At the time of the last general revision of the Scale of Rates of the NMPT, it was found that the cargo-handling activity was showing a revenue surplus. That being so, the proposed reduction in wharfage charge may not have any adverse impact on the financial position of the Port. In any case, the reduced wharfage charge has been in operation since September 2000; and, financial estimates furnished by the NMPT at the time of the last general revision will have reasonably considered the reduced wharfage rate on this cargo for arriving at the revenue projections for 2001-02 and 2002-03.
- (vi). Instead of prescribing a wharfage rate for clay separately by adding a new item to the existing list of items in the wharfage schedule, it may be appropriate to club Ball Clay/Sand/Clay of any class with the Bentonate in the wharfage schedule since the wharfage rates for both the commodities are the same. This is done to simplify the wharfage schedule notwithstanding the fact that Clay does not fall under the group 'Ores and Minerals'. The NMPT is advised to rationalise the Schedule of Wharfage in its Scale of Rates at the time of the next general revision.

6.1. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, this Authority approves a wharfage charge of Rs. 20/- per MT for Ball clay / Sand / Clay of any class. The existing Item No.8 (d), in Chapter III B Schedule of Wharfage charges for Bulk cargo in the Scale of Rates of the NMPT is deleted and substituted as follows:

S. No.	Bulk Cargo	Unit	Wharfage Rate Rs.
8 (d)	Bentonate and Ball Clay/Sand/Clay of any class	MT	20.00

6.2. The NMPT is required to introduce an amendment to its Scale of Rates accordingly.

S. SATHYAM, Chairman

[ADVT III/TV/143/Exty/2001]

